



## ग्रामीण कृषी मौसम सेवा

भारत मौसम विभाग

प्रायोगिक ब्लॉक लेव्हल अॅग्रोमेट अॅडव्हायझरी बुलेटिन  
(आयएमडी आणि आयसीएआर चा संयुक्त उपक्रम)



## हवामानावर आधारित कृषि सल्ला

दिनांक : 02-01-2026

नागपूर(महाराष्ट्र) मध्ये कामठी ब्लॉक करा साठी हवामान पूर्वानुमान - वर जारी :2026-01-02 ( पुढील पाच दिवसांसाठी सकाळी ८:३० वाजेपर्यंत वैध)

| हवामान घटक                       | 2026-01-03 | 2026-01-04 | 2026-01-05 | 2026-01-06 | 2026-01-07 |
|----------------------------------|------------|------------|------------|------------|------------|
| पर्जन्यमान (मिमी)                | 0.1        | 0          | 0          | 0          | 0          |
| कमाल तापमान (अं.से)              | 27.9       | 28.2       | 27.9       | 27.7       | 28         |
| किमान तापमान (अं.से)             | 15.4       | 16.2       | 16         | 14.2       | 13.2       |
| सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (टक्के)  | 64.3       | 63.6       | 60.8       | 57.4       | 49.6       |
| दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (टक्के) | 32.2       | 31.1       | 31.3       | 21.6       | 19.9       |
| वान्याचा वेग(किमी/तास)           | 5.6        | 7.9        | 10         | 10.7       | 8.5        |
| वान्याची दिशा(अंश)               | 39.8       | 46.8       | 25.6       | 19.7       | 36.4       |
| मेघाच्छादन (ऑक्ट)                | 1          | 0          | 0          | 0          | 0          |

### हवामान सारांश / चेतावणी:

• भारतीय हवामान विभाग, प्रादेशिक हवामान केंद्र, नागपूर च्या मूल्यवर्धित अंदाजानुसार, पुढील पाच दिवस दिनांक ०३ ते ०७ जानेवारी २०२५ दरम्यान आकाश निरभ्र ते आंशिक ढगाळ राहण्याची अधिक शक्यता, • दिनांक ०३, ०४, ०५, ०६ व ०७ जानेवारी २०२५ रोजी हवामान कोरडे राहण्याची अधिक शक्यता, • विदर्भामध्ये पुढील २४ तासांत किमान तापमानात मोठा बदल होणार नाही. त्यानंतर दिवस २ ते दिवस ५ च्या दरम्यान किमान तापमानात २-४ अंश सेल्सिअस ने घट होईल. त्यानंतर पुन्हा मोठा बदल अपेक्षित नाही. कमाल तापमान पुढील २४ तासांत २ अंश सेल्सिअस ने घट होईल. त्यानंतर दिवस २ ते दिवस ३ दरम्यान ते २ अंश सेल्सिअस ने वाढेल.

### कृषि सल्ला:

• पुढील ५ दिवसाकरिता कोरड्या हवामानाचा अंदाज लक्षात घेता पुढील ५ दिवसामध्ये परिपक्व अवस्थेतील वकर परिपक्व तूर पिकाची कापणी मळणी उरकून घेण्यास प्राधान्य द्यावे तसेच कापूस वेचणी उरकून घ्यावी. • पुढील ५ दिवस कोरड्या हवामानाचा अंदाज लक्षात घेता, आंतरमशागतीची कामे, कृषी रसायनांच्या (कीटकनाशके, बुरशीनाशके इत्यादी) फवारणी ची कामे तसेच उभ्या पिकामध्ये खते देण्याची कामे सुरु ठेवावी. • हरभरा पिकामध्ये अधिकतम उत्पादनासाठी पहिले ओलीत पेरणीनंतर ३० ते ४० दिवसांनी म्हणजेच पिक फुलोरा अवस्थेत असताना द्यावे तर दुसरे ओलीत पेरणीनंतर ६० ते ७० दिवसांनी म्हणजेच घाटे भरण्याच्या अवस्थेत द्यावे. • ढगाळ हवामान आणि रात्रीचे कमी तापमान मोहरीमध्ये मावा प्रादुर्भावस अनुकूल आहे. मावा प्रादुर्भावाच्या नियंत्रणासाठी थायोमेटॉन २५ ईसी ८ मि.ली प्रति १० लिटर पाण्यात किंवा डायमेटोएट ३० ईसी १० मि.ली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. पिकाला संरक्षित ओलीत द्यावे तसेच एक सिंचन सोय उपलब्ध असल्यास फुल अवस्थेत, दोन सिंचन सोय उपलब्ध असल्यास ३० दिवसांनी पीक अवस्थेत आणि फुल अवस्थेत व जिथे तीन सिंचन सोय उपलब्ध असल्यास २५-३० दिवसांच्या अंतराने पिकाला संरक्षित ओलीत द्यावे. • गहू पिकास मर्यादित सिंचनाची उपलब्धता लक्षात ठेऊन, एकाच ओलिताची व्यवस्था असल्यास पेरणीनंतर ४२ दिवसांनी, दोन ओलिताची व्यवस्था असल्यास २१ व ६५ दिवसांनी व तीन ओलिताची व्यवस्था असल्यास २१, ४२ आणि ६५ दिवसांनी ओलीत करावे. •

पुरेश्या ओलिताची व्यवस्था असल्यास गहू पिकास, पहिले ओलीत मुकुट मुळे फुटण्याची अवस्था (पेरणीनंतर १८-२० दिवस), दुसरे ओलीत जास्तीत जास्त फुटव्याच्या अवस्थेत (पेरणीनंतर ३० ते ३५ दिवस), तिसरे ओलीत कांडी धरण्याच्या उशिरा अवस्थेत (पेरणीनंतर ४५ ते ५० दिवस), चौथे ओलीत फुलोरा अवस्थेत (पेरणीनंतर ६५ ते ७० दिवस), पाचवे ओलीत दाण्याची दुधाळ अवस्था (पेरणीनंतर ८० ते ८५ दिवस) असताना करावे.

### संक्षिप्त संदेश सल्ला:

• गहू, हरभरा, भाजीपाला पिके व फळबागांना सकाळी किंवा संध्याकाळी हलके ओलीत करावे.

### पिक निहाय सल्ला:

| पिक   | पिक निहाय सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
|-------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| मका   | • मका पिकास रोप अवस्थेत (पेरणीनंतर २५ ते ३० दिवस), कणसे येण्याच्या अवस्थेत (पेरणीनंतर ४५ ते ५० दिवस), तुरा येण्याच्या अवस्थेत (पेरणीनंतर ६० ते ६५ दिवस) आणि दाणे भरण्याच्या अवस्थेत (७५ ते ८० दिवस) अशा विविध अवस्थेत ओलीत करावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| हरभरा | • हरभरा पिकामध्ये अधिकतम उत्पादनासाठी पहिले ओलीत पेरणीनंतर ३० ते ४० दिवसांनी म्हणजेच पिक फुलोरा अवस्थेत असताना द्यावे तर दुसरे ओलीत पेरणीनंतर ६० ते ७० दिवसांनी म्हणजेच घाटे भरण्याच्या अवस्थेत द्यावे. • हरभरा पिकामध्ये मर रोगाचा प्रादुर्भाव टाळण्यासाठी पिकात दीर्घकाळ पाणी साचून राहणार नाही यासाठी पिकास जास्त काळ ओलीत करणे टाळावे व टायकोडर्मा या जैविक बुरशीनाशकाची ४० ग्रॅम प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून जमीनीवर फवारणी करावी किंवा आवळणी करावी किंवा थायोफिनेट मिथाईल ७० डब्ल्यूपी २५ ग्रॅम प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. • घाटे अळीच्या एकात्मिक व्यवस्थापनासाठी शेतामध्ये प्रती हेक्टरी २० पक्षीथांबे लावावे. घाटे अळीच्या नियंत्रणासाठी कामगंध सापळे (हेक्झाल्युर) एकरी दोन किंवा हेक्टरी पाच लावावेत. सापळ्यामध्ये सतत तीन दिवस आठ ते दहा पतंग आढळल्यास व्यवस्थापनाच्या उपाययोजना कराव्यात. पिकाचे निरीक्षण करून किडीचा प्रादुर्भाव दिसून आल्यास किंवा पिक ४० ते ५० % फुलोरा अवस्थेत असताना सर्वप्रथम वनस्पतीजन्य किंवा जैविक किटकनाशकांना प्राधान्य द्यावे. त्यासाठी पहिली फवारणी निंबोळी अर्क ५ % किंवा अझाडिरेकटीन ३०० पीपीएम ५० मिली प्रति १० लिटर पाणी या प्रमाणात मिसळून नापस्याक पंपाने फवारणी करावी. पावर स्प्रेयर ने फवारणी करायची असल्यास किटकनाशकाची मात्रा तीन पट करावी. किडीने आर्थिक नुकसान पातळी गाठली असल्यास क्लिनलफॉस २५ टक्के ईसी २० मिली किंवा ईमामेक्टिन बेन्झोएट ५ % एसजी ३ ग्राम किंवा फ्ल्यूबेंडीअमाईड २० % डब्ल्यूजी ५ ग्राम किंवा क्लोरोट्रानिलिप्रोल १८.५ एससी २.५ मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. हरभरा पिक २० ते ३० दिवसाच्या अवस्थेत असताना पाणी व अन्नद्रव्यासाठी पिकाची तनासोबत स्पर्धा टाळण्यासाठी दोन वेळा खुरपणी व कोळपणी करावी. |
| मोहरी | • ढगाळ हवामान आणि रात्रीचे तापमान कमी असल्याने मोहरीमध्ये मावा किडीचा प्रादुर्भाव वाढतो. मावा किडीच्या नियंत्रणासाठी थायोमेटन २५ ईसी ८ मिली प्रति १० लिटर पाण्यात किंवा डायमेटोएट ३० ईसी १० मिली प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. मोहरीमध्ये जास्त उत्पादनासाठी गरजेनुसार सिंचन करावे. जर एक सिंचन उपलब्ध असेल तर फुलोऱ्याच्या अवस्थेत, दोन सिंचन उपलब्ध असतील तर ३० दिवसांच्या अंतराने आणि फुलोऱ्याच्या अवस्थेत, तीन सिंचन उपलब्ध असतील तर २५ ते ३० दिवसांच्या अंतराने करावे. • मोहरी पिकांमध्ये अल्टरनेरिया ब्लाइटच्या व्यवस्थापनासाठी, मेटालॅक्सिल ८% + मॅन्कोझेब ६४% डब्ल्यूपी १००० ग्रॅम प्रति एकर ४०० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| गहू   | • गहू पिकाला पेरणीनंतर १८ ते २० दिवसांनी मुकुट मुळे फुटण्याच्या अवस्थेत पहिले पाणी द्यावे. मुकुट मुळे फुटण्याच्या अवस्थेत पाण्याचा ताण उत्पादनात ३३% पर्यंत घट करतो. • गहू पिकासोठी मर्यादित सिंचनाची उपलब्धता लक्षात घेता, जर एकच ओलीत उपलब्ध असेल तर पेरणीनंतर ४२ दिवसांनी, दोन ओलीत उपलब्ध असल्यास पेरणीनंतर २१ आणि ६५ दिवसांनी आणि तीन ओलीत उपलब्ध असल्यास पेरणीनंतर २१, ४२ आणि ६५ दिवसांनी पाणी द्यावे. • पुरेशा सिंचन सुविधेच्या उपलब्धतेनुसार, पहिले ओलीत मुकुट मुळे फुटण्याच्या सुरुवातीच्या अवस्थेत (पेरणीनंतर १८-२० दिवसांनी), दुसरे ओलीत जास्तीत जास्त फुटवे च्या अवस्थेत (पेरणीनंतर ३० ते ३५ दिवसांनी), तिसरे ओलीत उशिरा कांडी लागण्याच्या अवस्थेत (पेरणीनंतर ४५ ते ५० दिवसांनी), चौथे ओलीत फुलोरा (पेरणीनंतर ६५ ते ७० दिवसांनी), पाचवे ओलीत दाण्याची दुधाळ अवस्थेत (पेरणीनंतर ८० ते ८५ दिवसांनी) गहू पिकाला द्यावे. • बागायती गव्हाची उशिरा पेरणी ७ जानेवारी पर्यंत करावी, बागायती उशिरा पेरणीकरिता एकेएडब्ल्यू- ४६२७ व पिडीकेव्ही                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |

| पिक   | पिक निहाय सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
|-------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|       | सरदार ( एकेएडब्ल्यू-४२१०-६-) या वाणाची निवड करावी तसेच बागायती उशिरा गहू पेरणीसाठी प्रती हेक्टरी १५० किलो बियाणे पेरणीसाठी वापरावे. गहू पिकाच्या एचडी २१८९ किंवा पूर्णा यासारख्या जाड दाण्यांच्या वाणांसाठी बियाणे दर प्रती हेक्टरी १२५ किलो वापरावे. • बागायती उशिरा पेरणीसाठी ८० किलो नत्र, ४० किलो स्फुरद व ४० किलो पालाश या प्रमाणात रासायनिक खतांची मात्रा द्यावी. बागायती वेळेवर आणि उशिरा या दोन्ही पेरणीसाठी नत्राची अर्धी मात्रा तसेच संपूर्ण स्फुरद आणि पालाश पेरणीच्या वेळी द्यावे व उरलेली नत्राची अर्धी मात्रा पहिल्या पाण्याचे पाळीच्या वेळी (१८ ते २० दिवसानंतर) द्यावी. |
| कपाशी | • शेतकरी बांधवांनी कपाशीच्या वेचनीच्या कामाला प्राधान्य द्यावे. वाणानुसार वेचणी केलेला कापूस कोरड्या आणि सुरक्षित ठिकाणी साठवणूक करावा. कापूस वेचणी व साठवणुकीसाठी व पुढील संक्रमणाचे नुकसान टाळण्यासाठी प्लास्टिक/गोणपाटाच्या पिशविवेवजी कॉटन पिशव्याचा वापर करावा.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |

### फळे आणि भाजीपाला पिक निहाय सल्ला:

| फळे आणि भाजीपाला पिक | फळे आणि भाजीपाला पिक निहाय सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
|----------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| टोमॅटो               | • टोमॅटो पिकावर उशिरा येणाऱ्या करपा रोगाचा प्रादुर्भाव दिसून आल्यास व्यवस्थापनासाठी स्वच्छ हवामान परिस्थिती असताना कॉपर ऑक्सिक्लोराईड (३.० ग्राम प्रती लिटर पाणी) किंवा मॅन्कोझेब (२.० ग्राम प्रती लिटर पाणी) किंवा बोर्डो मिश्रण (१ %) किंवा कॉपर हायड्रॉक्साईड (२.० ग्रॅम/लि.) किंवा फोसेटील एएल ( ग्राम प्रती लिटर पाणी) किंवा डायमिथोमोर्फ (२.० ग्राम प्रती लिटर पाणी) किंवा पुर्वमिश्रित बुरशीनाशक पायराक्लोस्ट्रोबिन + मेटेरीराम (२.० ग्राम प्रती लिटर पाणी) किंवा मेफेनॉक्सिम + कॉपर ऑक्सिक्लोराईड (२.० ग्राम प्रती लिटर पाणी) किंवा मेटालीक्सील ८ % + मॅन्कोझेब ६४ % (२.० ग्राम प्रती लिटर पाणी) या प्रमाणात फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |
| संत्रा               | • संत्रा वर्गीय फळ झाडांसाठी या महिन्यात पाण्याची गरज १-४ वर्षांच्या झाडांसाठी दररोज ७-३० लिटर, ५-७ वर्षांच्या झाडांसाठी ४४-७२ लिटर आणि ८ वर्षे व त्यापेक्षा जास्त वयाच्या झाडांसाठी ८२-१०२ लिटर इतकी आहे. ही गरज ठिबक सिंचनाने पूर्ण करावी. ठिबक प्रणाली नसेल तर डबल रिंग पद्धतीने पाणी द्यावे. झाडाच्या मुळाभोवती मल्लिंग केले नसेल तर करावे. मल्लिंगसाठी गवत, गव्हाचे काड झाडाच्या बुंध्याजवळ वापरावे. जमिनीच्या प्रकारानुसार व झाडांना आलेल्या ताणानुसार अंबिया बहार सुरू करण्यासाठी बागेला पाणी द्यावे. • अंबिया बहारात नवीन पालवी फुटल्यावर सिटस प्सायला कीड प्रादुर्भाव करते. ही कीड नियंत्रणात न ठेवल्यास १०० टक्के फुलगळ होऊ शकते. या किडीमुळे झाडात "डाय बॅक" व "ग्रीनिंग" रोग होऊन झाडे हळूहळू मरगळतात. नियंत्रणासाठी कळी फुटण्याच्या अवस्थेत डिमिथोएट २ मि.ली. किंवा अॅसेफेट २ ग्रॅम किंवा इमिडाक्लोप्रिड ०.५ मि.ली. प्रति लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. दुसरी फवारणी १० दिवसांच्या अंतराने करावी. पुढील फवारणीत कीटकनाशक बदलावे. • अंबिया पालवी फुटण्याच्या वेळी १.५ ग्रॅम गिबरेलिक अॅसिड + १ किलो युरिया १०० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. • नर्सरी धारकांनी मागील महिन्यात कलम केलेल्या रोपांवर फुटणाऱ्या कळ्यांचे निरीक्षण करावे व माइट व थ्रिप्स किडीपासून संरक्षणासाठी इथिऑन २ मि.ली. प्रति लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी. • फाइटोफथोरा रोग नियंत्रणासाठी झाडाच्या बुंध्यावरून चिकट स्त्राव बाहेर पडणारा भाग धारदार सुरीने खरवडून काढावा. त्यानंतर पोटॅशियम परमँगनेट (१० ग्रॅम प्रति लिटर पाणी) द्रावणाने धुवावे व मेफेनॉक्सिम MZ-68 (मेटालेक्सिल M ४% + मॅन्कोझेब ६४% WP) किंवा फॉसेटिल-AL पेस्ट लावावी. |
| मिरची                | • तापमानातील चढ उतार व उच्च आद्रतेमुळे मिरची पिकावर भुरी रोगाचा प्रादुर्भाव दिसून आल्यास व्यवस्थापनासाठी हेक्साकोनाझोल ७५ % डब्ल्यूजी ६६.७ ग्राम ग्रॅम किंवा टेबुकोनाझोल २५ % डब्ल्यूजी @ ५००-७५० ग्रॅम किंवा अझॉक्सीस्ट्रोबिन ८.३ % + मॅन्कोझेब ६६.७ % डब्ल्यूजी @ १५०० ग्रॅम किंवा बोस्कालीड २५.२ % + पायराक्लोस्ट्रोबिन १२.८ % डब्ल्यूजी @ ६०० ग्राम किंवा कार्बेन्डाझिम १२ % + मॅन्कोझेब ६३ % डब्ल्यूजी @ ७५० ग्रॅम किंवा क्रेसॉक्सिम - मिथाइल १५ % + क्लोरोथॅलोनिल ५६ % डब्ल्यूजी @ १००० ग्रॅम किंवा टेबुकोनाझोल १० % डब्ल्यूपी + सल्फर ६५ % डब्ल्यूजी @ १२५० ग्रॅम किंवा टेबुकोनाझोल ५० % + ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन २५ % डब्ल्यूजी @ २५० ग्राम प्रती हेक्टर ५०० लिटर पाणी या प्रमाणात मिसळून या पैकी कोणत्याही एका बुरशी नाशकाची स्वच्छ हवामान परिस्थिती असताना फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |

### पशुधन विषयक निहाय सल्ला:

| पशुधन विषयक | पशुधन विषयक निहाय सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
|-------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| गाय         | <ul style="list-style-type: none"> <li>जनावरांचे थंडीपासून संरक्षण करण्यासाठी रात्रीच्या वेळी जनावरांना गोठ्यामध्ये/सुरक्षित ठिकाणी ठेवावे. जनावरांचे थंडीपासून संरक्षण करण्यासाठी ४ ते ६ इंच जाडीचे भाताचा पेंढा, गव्हाचा पेंढा, करावातीचे धूळ इत्यादीचे बेडिंग करावे. जनावरांच्या गोठ्याचा व जमिनीचा भाग कोरडा व स्वच्छ ठेवावा. जनावरांना पिण्यासाठी २४ तास स्वच्छ पाण्याची व्यवस्था करावी. जनावरांच्या पाण्याची कुंड/ साधने याची आठवड्यातून एकदा स्वच्छता करावी. उत्पादकता व प्रजनन वाढीच्या दृष्टीने जनावरांना दररोज ३० ते ४० ग्राम मिनरल मिक्शर द्यावे.</li> </ul> |

### मासेमारी निहाय सल्ला:

| मासेमारी  | मासेमारी निहाय सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
|-----------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| ताजे पाणी | <ul style="list-style-type: none"> <li>थंडी मध्ये मास्यांची पचन संस्था आकसली जाते व खाण्याचे प्रमाण कमी होते त्यामुळे थंडीमध्ये खाद्याचे प्रमाण ५० ते ७५ टक्के कमी करावे हिवाळ्यामध्ये तळ्यातील वरच्या पाण्याचे तापमान कमी होते त्यामुळे मासे तळस राहणे पसंत करतात यासाठी पाण्याची पातळी सहा ते सात फूट ठेवावी. हिवाळ्यामध्ये सूर्यप्रकाशाची तीव्रता व कालावधी कमी होते व प्रकाश संश्लेषण क्रिया मंदावल्याने पाण्यातील प्राणवायूचे प्रमाण कमी होते यासाठी पाणी बदलून किंवा हवा सोडून पाण्यातील प्राणवायूचे प्रमाण योग्य राखावे.</li> </ul> |